हरियाणा के कुरूक्षेत्र के ब्रह्म सरोवर परिसर में संत मोरारी बापू के श्रीमुख से कथा के शुभारंभ के शुभावसर पर संबोधन

मानवता का संदेश देने वाली इस धरती कुरुक्षेत्र पर आज परम पूज्य मोरारी बापू जी और सभी संतों के सान्निध्य में धर्म, आध्यात्मिक संस्कृति और युद्ध की इस धरती से भगवान राम के जीवन पर राम कथा और भागवत कथा का संदेश हमें मोरारी बापू के अमृत वाणी से मिलेगा।

एक ऐसा संयोग जहां परम् पूज्य बापू ने राम कथा के माध्यम से इस देश के नौजवानों में, इस देश के जन-जन में एक आदर्श जीवन, एक राममय जीवन जीने का संदेश दिया और इस धरती से आज वे निष्काम कर्म योग का संदेश भी देंगे।

भगवान राम और श्रीकृष्ण का संदेश इस धरती से निकलेगा और भारत आध्यात्मिक संस्कृति का यह संदेश पूरी दुनिया में भेजेगा।

मैं परम पूज्य बापू जी के चरणों में शत शत नमन करता हूँ कि मुझे यह सुअवसर मिला है।

आपने इस गीताज्ञान को, गीता के संदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का काम किया और यहां के मुख्य मंत्री जी ने उनका सहयोग किया। उन सबको भी मैं प्रणाम करता हूँ और आशा करता हूँ कि 9 दिनों तक बापू की यह कथा हमारे नौजवानों को, हमारे देश के हर व्यक्ति को आध्यात्मिकता, धर्म और संस्कृति की ओर ले जा कर मानवता का संदेश देने का काम करेगी।

एक बार फिर से मैं बापू जी के चरणों में शत शत नमन करता हूँ तथा यहाँ उपस्थित सभी साधू संतों के चरणों में नमन करता हूँ।